चरखा
CHARKHA™
DEVELOPMENT COMMUNICATION NETWORK

संजॉय घोष मीडिया अवार्ड्स 2023

चरखा डेवलपमेंट कम्युनिकेशन नेटवर्क ने स्वतंत्र लेखकों, शोधकर्ताओं, सामाजिक कार्यकर्ताओं और युवा नेतृत्वकर्ताओं के काम को मान्यता प्रदान करने के उद्देश्य से संजॉय घोष मीडिया अवार्ड्स 2023 की घोषणा की है, जो ग्रामीण समुदायों की युवा लड़कियों और महिलाओं को सशक्त बनाने में मीडिया की भूमिका के लिए एक नई दृष्टिकोण बनाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। ये पुरस्कार चरखा के संस्थापक संजय घोष के जीवन और नवीन मीडिया विधाओं के माध्यम से हाशिए पर मौजूद ग्रामीण समुदायों के सामाजिक और आर्थिक समावेशन के उनके प्रयासों को श्रद्धांजलि देते हैं। दो दशकों में, इन पुरस्कारों ने सतत परिवर्तन का एक प्रभावशाली मॉडल स्थापित करने के लिए विकास संचारकों का एक कैडर तैयार किया है। पुरस्कार विजेता विचारों का आदान-प्रदान करने के लिए एकत्रित होते हैं, जो सामूहिक रूप से एक दूरदर्शी, जिम्मेदार और सामाजिक रूप से संवेदनशील मीडिया अर्थात वास्तविक अर्थ में लोकतंत्र के चौथे स्तंभ का निर्माण करते हैं।

इस वर्ष, 2 अलग-अलग श्रेणियों के तहत विशेषज्ञों के एक स्वतंत्र पैनल द्वारा किए गए मूल्यांकन के आधार पर कुल 5 पुरस्कार दिए जाएंगे।

श्रेणी 1:

पुरस्कारों की यह श्रेणी ग्रामीण रिपोर्टिंग के क्षेत्र में स्वतंत्र लेखकों के उत्कृष्ट कार्यों को मान्यता देती है और उन्हें बढ़ावा देती है। आवेदकों द्वारा भेजे जाने वाले निम्नलिखित में से किसी भी विषय पर 1 मई, 2022 और 31 जुलाई, 2023 के बीच प्रकाशित लेखों पर पैनल द्वारा विचार किया जाएगा:

ग्रामीण भारत में युवा लड़कियों और महिलाओं के खिलाफ लिंग आधारित हिंसा - ऐसे लेख जो भारत के ग्रामीण और दूरदराज के क्षेत्रों में रहने वाली युवा लड़कियों और महिलाओं द्वारा अनुभव की जाने वाली लिंग-आधारित हिंसा पर ध्यान देने और प्रभावी कार्रवाई करने की मांग करते हैं। लिंग आधारित हिंसा न केवल व्यक्तिगत विकास में बाधक है बल्कि व्यापक सामाजिक प्रगति में भी बाधा डालती है। आपके प्रकाशित लेख में इस बात पर जोर दिया जाना चाहिए कि इस मुद्दे को संबोधित करना न केवल मानवाधिकारों का मामला है, बल्कि लैंगिक समानता और समावेशी ग्रामीण विकास हासिल करने के लिए भी महत्वपूर्ण है। आपके लेख में निम्नलिखित प्रमुख क्षेत्रों में से किसी एक अथवा अधिक विषय पर आधारित होना चाहिए: उत्तरजीवी व्यक्ति अथवा समूह की कहानियां, हिंसा के मूल कारण, कानूनी ढांचा, मनोवैज्ञानिक प्रभाव और सामुदायिक हस्तक्षेप।

ग्रामीण भारत में युवा लड़कियों के लिए स्वास्थ्य देखभाल**,** जिसमें एसआरएचआर और वॉश शामिल हैं - गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य देखभाल, एसआरएचआर सेवाओं और उचित वॉश सुविधाओं तक पहुंच न केवल स्वास्थ्य का मामला है बल्कि यह एक मौलिक अधिकार भी है। ऐसे लेख जो - यौन और प्रजनन स्वास्थ्य और अधिकारों (एसआरएचआर) Sexual and Reproductive Health and Rights (SRHR) पर विशेष ध्यान देने और स्वच्छ जल, स्वच्छता और स्वच्छता (डब्ल्यूएएसएच) Water, Sanitation, and Hygiene (WASH) सुविधाओं तक पहुंच सुनिश्चित करने के साथ ग्रामीण भारत में रहने वाली युवा लड़कियों के लिए व्यापक स्वास्थ्य देखभाल की महत्वपूर्ण आवश्यकता को उजागर करते हैं, जैसे विषय इसके अंतर्गत आएंगे। आपके लेख में इन लड़कियों के सामने आने वाली बहुमुखी चुनौतियों और उनके समग्र कल्याण में सुधार के लिए लागू किए जा रहे समाधानों का पता लगा होना चाहिए। हम इस बात पर स्पष्ट जोर देंगे कि कैसे आपके आलेख युवा लड़कियों को उनके शरीर, शिक्षा और भविष्य के बारे में सूचित निर्णय लेने के लिए सशक्त बनाती हैं, और उनके समग्र कल्याण और एजेंसी में योगदान देती हैं। आपके प्रकाशित लेखों में जिन प्रमुख क्षेत्रों पर हम गौर करेंगे उनमें शामिल होंगे: एसआरएचआर, गांवों में वॉश बुनियादी ढांचा, मासिक धर्म स्वच्छता, सांस्कृतिक बाधाएं और सरकारी पहल का प्रभाव।

ग्रामीण भारत में महिला उद्यमिता - ऐसे लेख जो भारत के अक्सर वंचित और चुनौतीपूर्ण ग्रामीण परिदृश्य में महिलाओं की उद्यमशीलता की भावना और आर्थिक सशक्तिकरण पर ध्यान केंद्रित करते

हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में महिलाएं खाद्य सुरक्षा, आजीविका सृजन और पारंपरिक शिल्प और ज्ञान के संरक्षण को सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। आपके प्रकाशित लेख में ग्रामीण क्षेत्रों की महिला उद्यमियों द्वारा अनुभव की जाने वाली चुनौतियों और अवसरों की बेहतर समझ में योगदान देना चाहिए। यह विषय उन लेखों को आमंत्रित करता है जो उद्यमिता की दुनिया में कदम रखने वाली ग्रामीण क्षेत्रों की महिलाओं के इर्द-गिर्द घूमती कहानियों, चुनौतियों और नवीन समाधानों पर प्रकाश डालते हैं। आपका लेख निम्नलिखित प्रमुख क्षेत्रों में से किसी एक पर केंद्रित होनी चाहिए - सफलता की कहानियाँ, आर्थिक प्रभाव, क्षेत्रीय विविधता, नवीन मॉडल और स्थानीय तथा वैश्विक प्रभाव।

ग्रामीण भारत में किशोरियों के सशक्तिकरण के लिए खेल - यह विषय ग्रामीण भारत में किशोरियों के सशक्तिकरण के लिए एक उपकरण के रूप में खेल की परिवर्तनकारी शक्ति पर प्रकाश डालता है। खेलों में भागीदारी उन्हें सशक्त बनाती है, उनके आत्म-सम्मान को बढ़ावा देती है और उन्हें जीवन कौशल से सुसज्जित करती है। यह लैंगिक मानदंडों को चुनौती देने का एक प्रमुख साधन भी हो सकता है। प्रकाशित लेख में इन लड़कियों को खेलों तक पहुँचने और उनमें भाग लेने में आने वाली चुनौतियों के साथ-साथ व्यक्तिगत विकास, शिक्षा और सामुदायिक विकास के संदर्भ में खेल द्वारा प्रदान किए जाने वाले अवसरों का पता लगाना, होनी चाहिए। आपके लेख में जिन प्रमुख क्षेत्रों पर हम गौर करेंगे उनमें शामिल होंगी - भागीदारी में बाधाएं, समानता और समावेशन, शारीरिक स्वतंत्रता, स्वास्थ्य और कल्याण, प्रशिक्षकों और सलाहकारों की भूमिका और सफलता की कहानियां।

ग्रामीण भारत में किशोरियों को सशक्त बनाने में डिजिटल साक्षरता की भूमिका - ग्रामीण भारत में रहने वाली किशोरियों को सशक्त बनाने में डिजिटल साक्षरता महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। इसकी परिवर्तनकारी क्षमता के बावजूद, लैंगिक दृष्टिकोण और रूढ़िवादिता इस क्षेत्र में लड़कियों की भागीदारी को सीमित करते हुए बाधाओं के रूप में कार्य करती है. सामाजिक मानदंड, कथित जोखिम, संसाधन आवंटन, सांस्कृतिक कलंक और प्रौद्योगिकी तथा डिजिटल क्षेत्र में महिला रोल मॉडल की कमी के कारण ग्रामीण क्षेत्रों में लड़कियों के लिए इस क्षेत्र में भाग लेना मुश्किल हो जाता है। प्रकाशित लेखों को मौजूदा डिजिटल विभाजन, शिक्षा तक लैंगिक पहुंच, आर्थिक सशक्तिकरण, सूचना तक पहुंच, स्वास्थ्य और जागरूकता तथा चुनौतियों और सुरक्षा पर ध्यान केंद्रित होनी चाहिए।

यदि आपने इनमें से किसी भी विषय पर कोई लेख लिखा है, और वह **1** मई**, 2022** से **31** जुलाई**, 2023** के बीच किसी भारतीय (राष्ट्रीय या क्षेत्रीय) समाचार पत्र**,** पत्रिका या वेबसाइट में प्रकाशित हुआ है**,** तो आप हमें **31,** अक्टूबर **2023** तक अपनी प्रविष्टि भेजें

इस श्रेणी के तहत प्रत्येक विजेता को एक प्रमाण पत्र और **50,000** रुपये के नकद पुरस्कार वाले दो पुरस्कार प्रदान किए जाएंगे।

कौन आवेदन कर सकता है**?**
● इस श्रेणी में प्रवेश करने वाले सभी प्रतिभागियों की आयु 25-40 वर्ष के बीच होनी चाहिए।
● किसी भी मीडिया हाउस द्वारा वर्तमान में कार्यरत लोगों को छोड़कर, फ्रीलांस/स्वतंत्र लेखकों के लिए भागीदारी खुली है।
● हाशिये पर मौजूद समुदायों के लोगों को आवेदन करने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है।

आवश्यकताएं**:**
● पुरस्कार के लिए विचार किए जाने वाले अंग्रेजी, हिंदी या उर्दू में ऊपर उल्लिखित विषयों में से किसी एक पर एक प्रकाशित लेख। कृपया प्रकाशित लेख को पीडीएफ एवं लिंक के साथ साझा करें।
● प्रतिभागियों को एक कवर लेटर भी जमा करना होगा जिसमें उनकी जीवन यात्रा, लेखन के प्रभाव, उनके काम के दौरान आने वाली और दूर की गई चुनौतियों और भविष्य में अपने लेखन के माध्यम से समाज में योगदान देने के उनके दृष्टिकोण का विवरण होगा।

● कृपया पुरस्कार के लिए प्रस्तुत लेख के अलावा अपनी पसंद के किसी भी विषय पर आपके द्वारा लिखित दो पूर्व प्रकाशित लेख भी हमें भेजें. इससे हमें आपके काम की गहरी समझ हासिल करने में मदद मिलेगी। कृपया प्रकाशित लेख की पीडीएफ एवं लिंक के साथ साझा करें।
● दो औपचारिक (प्रोफेशनल) संदर्भों के साथ एक औपचारिक अनुशंसा पत्र।
● अपूर्ण आवेदन पत्रों पर विचार नहीं किया जायेगा।

हमारा अनुरोध है कि सभी आवेदन एक ही ईमेल के रूप में connect@charkha.org पर भेजे जाएं। कृपया पुरस्कार के लिए आवेदन करते समय विषय के रूप में "सबमिशन- SGMA 2023 - श्रेणी-I" का उल्लेख अवश्य करें। अधिक जानकारी के लिए, सुबह 10:00 बजे से शाम 6:00 बजे के बीच इस नंबर +91 8851982420 पर संपर्क कर सकते हैं.

कृपया ध्यान दें: चरखा के प्रशिक्षित लेखकों और महिला पत्रकारों को आवेदन करने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है। पिछले चरखा पुरस्कार विजेता/अध्येता और वर्तमान में किसी अन्य फ़ेलोशिप या समान वित्तीय सहायता योजना का लाभ उठा रहे लोग आवेदन करने के पात्र नहीं हैं। किसी अन्य फ़ेलोशिप के हिस्से के रूप में लिखे गए लेखों पर विचार नहीं किया जाएगा।

श्रेणी **2:**
पुरस्कारों की इस श्रेणी का उद्देश्य गैर-लाभकारी संगठनों से जुड़ी युवा लड़कियों को सामाजिक अधिवक्ता/नेतृत्वकर्ता बनने के लिए प्रोत्साहित करना है। चयन के बाद, इस श्रेणी के प्रत्येक पुरस्कार विजेता से 15 मार्च, 2024 तक गहन शोध और अच्छी गुणवत्ता वाली तस्वीरों के साथ अंग्रेजी, हिंदी या उर्दू में तैयार किये गए लेख की उम्मीद की जाती है। चरखा टीम आलेख लिखने के लिए मार्गदर्शन हेतु प्रत्येक विजेता को एक सलाहकार प्रदान करेगी। इस श्रेणी के लिए भी आवेदन करने की अंतिम तिथि 31 अक्टूबर, 2023 है।

इस श्रेणी में कुल तीन पुरस्कार हैं**,** जिसमें प्रत्येक विजेता को एक प्रमाण पत्र और **25,000** रुपये के नकद राशि प्रदान किए जाएंगे।

आवेदन कैसे करें**?**
कृपया 800-1000 शब्दों का एक प्रस्ताव भेजें जिसमें इस बात पर प्रकाश डाला जाए कि आप नीचे उल्लिखित विषयगत क्षेत्रों में से किसी एक से संबंधित मुद्दों को कैसे कवर करना चाहती हैं:

1. ग्रामीण भारत में युवा लड़कियों और महिलाओं के खिलाफ लिंग आधारित हिंसा
2. डिजिटल साक्षरता और ग्रामीण भारत में किशोरियों को सशक्त बनाने पर इसका प्रभाव
3. ग्रामीण भारत में किशोरियों के मासिक धर्म संबंधी अधिकार
4. ग्रामीण भारत में किशोरियों के जीवन पर खराब परिवहन सुविधाओं का प्रभाव
5. किशोरियों के सशक्तिकरण के लिए खेल - ग्रामीण भारत में चुनौतियाँ और अवसर।

कौन आवेदन कर सकता है**?**
वंचित समुदायों की किशोरियों को सशक्त बनाने के लिए ग्रामीण क्षेत्रों में काम करने वाले किसी भी गैर-लाभकारी संगठन से जुड़ी किशोर लड़कियां (उम्र 15-18) और युवा महिलाएं (आयु 19-25 वर्ष)

आवश्यकताएं**:**

● प्रस्ताव में आवेदक के जीवन यात्रा के अतिरिक्त यह उल्लेखित होनी चाहिए कि वह इस मुद्दे के बारे में लिखने के लिए क्यों उत्साहित हैं? उन्हें अध्ययन के स्थान के बारे में विवरण, वे लेख के बारे

में कैसे शोध करेंगी और मुद्दे से संबंधित जानकारी इकट्ठा करने के लिए वे किसका साक्षात्कार लेंगी आदि जानकारी भी शामिल होनी चाहिए?

- कृपया लेखन की भाषा भी बताएं। लेख अंग्रेजी, हिंदी या उर्दू में स्वीकार किए जाएंगे।
- प्रतिभागियों को अपनी पसंद के किसी भी विषय पर एक लेखन नमूना (प्रकाशित/अप्रकाशित) भी जमा करना होगा।
- उम्मीदवार के आवेदन को समर्थन देने वाली संस्था के प्रमुख का पत्र भी आवेदन के साथ संलग्न होनी चाहिए।
- अपूर्ण आवेदन पत्रों पर विचार नहीं किया जायेगा। (यदि आपके पास प्रस्ताव/लेखन टाइप कर जमा करने के लिए मोबाइल/कंप्यूटर की सुविधा नहीं है तो कृपया हमसे संपर्क करें।)

हम अनुरोध करते हैं कि सभी आवेदन पत्र connect@charkha.org पर भेजे जाएं। कृपया पुरस्कार के लिए आवेदन करते समय विषय के रूप में "सबमिशन - SGMA 2023- श्रेणी- II" का उल्लेख अवश्य करें। अधिक जानकारी के लिए, सुबह 10:00 बजे से शाम 6:00 बजे के बीच इस नंबर +91 8851982420 पर संपर्क करें।

कृपया ध्यान दें: चरखा के प्रशिक्षित लेखकों और महिला पत्रकारों को आवेदन करने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है। पिछले चरखा पुरस्कार विजेता/अध्येता और वर्तमान में किसी अन्य फ़ेलोशिप या समान वित्तीय सहायता योजना का लाभ उठा रही किशोरियां अथवा महिलाएं आवेदन करने की पात्र नहीं हैं।

मूल्यांकन का अभाव अंक मॉडल: SGMA की श्रेणी I के तहत, चरखा "वंचन (वंचित) अंक मॉडल" का भी पालन करता है जिसके तहत जूरी अपने विवेक के माध्यम से उन आवेदकों को अधिकतम 5 अतिरिक्त अंक प्राप्त कर सकते हैं जिन्हें अपने लिंग की पहचान के आधार पर सामाजिक एवं आर्थिक हाशियाकरण का सामना करना पड़ा है। यह मूल्यांकन व्यवस्था केवल महिलाओं और लैंगिक अल्पसंखयक आवेदकों के लिए उपलब्ध होगा।